Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

वर्ष- 28 ◘ अंक- 228 ◘ रायपुर, गुरुवार 11 सितम्बर 2025 ◘ पृष्ठ-8 ◘ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

घोर नक्सल प्रभावित लंका और डूंगा में सक्रिय 16 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

मुख्य धारा में जुड़ने की ली शपथ

जगदलपुर, 11 सितम्बर (हाईवे चैनल)। नक्सल उन्मूलन अभियान और अति संवेदनशील अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार कैम्प स्थापित होने से पुलिस के बढ़ते प्रभाव व नक्सलियों के अमानवीय, आधारहीन विचारधारा एवं उनके शोषण, अत्याचार और भेदभाव से त्रस्त होकर घोर नक्सल प्रभावित लंका और डूंगा पंचायत में सक्रिय जनताना सरकार सदस्य (सीएनएम अध्यक्ष), पंचायत मिलिसिया डिप्टी कमांडर, पंचायत सरकार सदस्य, पंचायत मिलिसिया सदस्य और न्याय शाखा अध्यक्ष सहित 17 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया. आत्मसमर्पण करने वालों में ज्यादातर छोटे ओहदे वाले हैं, लेकिन ये नक्सलवाद को पोषित करने और बनाए रखने के लिए अहम किरदार निभाते हैं ये माओवादी लड़ाकू माओवादी नक्सलियों के लिए राशन और मेडिसन जैसे मूलभूत सामग्री उपलब्ध कराने का काम अवैतनिक तरीके से करते हैं. ये नक्सलियों के हथियार और सामग्रियों का परिवहन करते हैं, यही नहीं आईईडी लगाने, फोर्स मूवमेंट कि सूचना देने और फोर्स की रेकी करने जैसे कार्य प्रमुखता से करते हैं. स्पष्ट शब्दों में कहें तो ये नक्सलियों के लिए स्लीपर सेल की तरह भी काम करते हैं. नारायणपुर पुलिस अधीक्षक रोबिनसन गुड़िया के समक्ष आत्मसमर्पण करने वाले सभी नक्सलियों को अच्छी जिंदगी जीने के लिये 50-50 हजार रुपए प्रोत्साहन राशि का चेक प्रदान किया गया. आत्मसमर्पित नक्सलियों को छत्तीसगढ़ सरकार की नक्सल उन्मूलन नीति के तहत् मिलने वाली सभी प्रकार की सुविधाएं दिलाई जाएगी.

प्रेशर आईईडी के चपेट में आने से दो जवान हुए घायल

दंतेवाड़ा जिला के मालेवाही थाना क्षेत्र में आज सुबह सातधार पुल से आगे नक्सलियों द्वारा लगाए प्रेशर आईईडी के चपेट में आने से दो जवान घायल हो गए, स्थिति को देखते हुए उन्हें तत्काल प्राथमिक उपचार के लिए दंतेवाड़ा जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां से बेहतर उपचार के लिए उन्हें रायपुर एयरलिफ्ट किया जाएगा. जानकारी के अनुसार, आज सुबह सीआरपीएफ 195 वाहिनी की कम्पनी, 195 वाहिनी मुख्यालय से सातधार एवं मालेवाही के मध्य नक्सल विरोधी अभियान अंतर्गत एरिया डोमिनेशन एवं डिमाइनिंग की कार्रवाई के लिए रवाना हुए थे. इसी दौरान नक्सलियों द्वारा लगाए गए प्रेशर आईईडी की चपेट में इंस्पेक्टर दीवान सिंह गुर्जर और आरक्षक आलम मुनेश घायल हो गए.

रायपुर एयरपोर्ट पर कई फ्लाइट्स कैंसिल

विजिबिलिटी कम होने के कारण लैंडिंग में हो रही दिक्कत, यात्री परेशान

रायपुर, 11 सितंबर (हाईवे चैनल)। बिजली गिरने से राजधानी रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट के एटीसी (एयर ट्रैफिक कंट्रोल) में सिग्नल देने वाले तकनीकी उपकरण खराब हो गए हैं, जिसके चलते विमान सेवा ठप है. विजिबिलिटी कम होने के कारण आज सुबह की कई फ्लाइट्स कैंसिल कर दी गई है. वहीं कल 5 फ्लाइट्स को डायवर्ट किया गया था. इसके चलते यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा। तकनीकी उपकरणों के मरम्मत का काम जारी है. रायपुर एयरपोर्ट पर सुबह 10 बजे से विमानों का संचालन सामान्य होने की संभावना है. जानकारी के मुताबिक, विजिबिलिटी क्लियर होने के बाद विमान रायपुर एयरपोर्ट पर लैंड कर सकेंगे. विमानों के टेक ऑफ में कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन फाइनल कॉल पायलट का रहेगा. सीएम विष्णुदेव साय भी आज जगदलपुर जाने वाले हैं, लेकिन इस पर भी फैसला 10 बजे के बाद ही होगा।

बताया जा रहा कि विजिबिलिटी कम होने के कारण लैंडिंग में दिक्कत हो रही है. आज सुबह की 6 फ्लाइट कैंसिल कर दी गई है. कल 5 फ्लाइट्स को डायवर्ट किया गया था. रायपुर से इंदौर जाने वाले यात्रियों का कहना है कि विजिबिलिटी क्लियर नहीं होने के चलते कुछ फ्लाइट को रद्द किया गया है. हम लोग इंदौर जाने वाले थे, लेकिन फ्लाइट कैंसिल होने से परेशानी हो रही. अब सबसे पहले भोपाल जाना पड़ेगा, क्योंकि यहां से डायरेक्ट फ्लाइट अब इंदौर नहीं जा रही है. भोपाल से डेढ़ सौ किलोमीटर का बायरोड सफर करके इंदौर जाना पड़ेगा। बता दें कि रायपुर एयरपोर्ट पर तकनीकी खराबी के चलते मंगलवार को हैदराबाद से रायपुर आने वाली फ्लाइट और कोलकाता से रायपुर आने वाली फ्लाइट को भुवनेश्वर भेजा गया था. वहीं दिल्ली से रायपुर आने वाली फ्लाइट को भोपाल डायवर्ट किया गया था. मुंबई से रायपुर की फ्लाइट को नागपुर भेजा गया था. इसके अलावा पुणे से रायपुर आ रही फ्लाइट को भी डायवर्ट किया गया था।

ब्रेकिंग न्यूज

किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म, तीन आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार, एक फरार

जांजगीर, 11 सितंबर (हाईवे चैनल)। शिवरीनारायण थाना क्षेत्र में किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है. मामले में पुलिस 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, वहीं एक आरोपी फरार है. फिलहाल, पुलिस इस मामले में कुछ भी कहने से बच रही है.

पति-पत्नी और दो बच्चों की हत्या, घर की बाड़ी में मिला चारों का शव

बिलासपुर/रायगढ़, 11 सितम्बर (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में घर की बाड़ी में पति, पत्नी और दो बच्चों का शव मिला है. इसकी पुष्टि एसपी दिव्यांग पटेल ने की है. एसपी के मुताबिक, चारों की हत्या कर शवों को मिट्टी से ढक दिया गया था. पूरी जांच के बाद मामले का खुलासा किया जाएगा. पूरा मामला खरसिया थाना क्षेत्र के ढूसकेला राजीव नगर का है. इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है.

बता दें कि आज सुबह बुधराम पिता चमार सिंग के घर की बाड़ी से बदबू आने पर ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी. पुलिस और डॉग स्क्वायड की टीम मौके पर पहुंची है. घटना स्थल की जांच करने पर एक ही परिवार के चार लोगों का शव बरामद किया गया. यह शव बुधराम सिंग, पत्नी सहोद्रा, बेटी शिवांगी और बेटा अरविंद का है. बताया जा रहा कि चारों लोग 4-5 दिनों से लापता थे. शवों से बदबू आ रही है. चारों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है. पुलिस टीम डॉग स्क्वायड की मदद से घटना स्थल पर जांच कर रही है. पुलिस अधिकारियों की टीम और अतिरिक्त बल मौके पर तैनात कर दिया गया है. घर और उसके आसपास के पूरे क्षेत्र को सील कर दिया गया है. फोरेंसिक टीम के आने के बाद लाशों को बाहर निकाला जाएगा.

बिरादरी की बात

चूहा- सुनती हो, नेपाल के बाद अब फ्रांस में भी उग्र हिंसा प्रदर्शन शुरू हो गया।

चुहिया- हां जी, अच्छाई की कोई नकल नहीं करता, बुराई जल्दी पकड़ ली जाती है।

नेपाल में फंसे छत्तीसगढ़ के पर्यटकों की सकुशल वापसी के लिए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दिए निर्देश

रायपुर, 11 सितंबर (हाईवे चैनल)। नेपाल में मौजूद छत्तीसगढ़ के पर्यटकों की सुरक्षा को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने तत्काल संज्ञान लिया है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि इन पर्यटकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए संबंधित अधिकारियों को तुरंत आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री साय ने ट्वीट पर पोस्ट करते हुए यह बताया है कि भारत सरकार के अधिकारियों के साथ निरंतर संपर्क साधा जा रहा है और सभी पर्यटकों की सकुशल वापसी सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि इस कठिन परिस्थिति में छत्तीसगढ़ सरकार अपने प्रत्येक नागरिक की सहायता के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री का यह बयान ऐसे समय आया है जब नेपाल में मौजूद छत्तीसगढ़ के पर्यटकों की स्थिति को लेकर परिजनों में चिंता बनी हुई है। सरकार ने भरोसा दिलाया है कि हर संभव मदद और समन्वय कर उन्हें सुरक्षित स्वदेश लौटाया जाएगा।

शिक्षा विभाग का कमीशनखोर क्लर्क बर्खास्त : मेडिकल बिल स्वीकृत करने के नाम पर मांगा था 10 प्रतिशत कमीशन

शिक्षक की शिकायत पर डीईओ ने की कार्रवाई

बिलासपुर, 11 सितंबर (हाईवे चैनल)। शिक्षक से मेडिकल बिल स्वीकृत करने के नाम पर 10 प्रतिशत कमीशन मांगने वाले बीईओ कार्यालय में पदस्थ क्लर्क (सहायक ग्रेड 2) सीएस नौरके को डीईओ ने सस्पेंड कर दिया है। शिक्षक ने क्लर्क से हुई ऑडियो के साथ मामले की शिकायत की थी, जिस पर कार्रवाई की गई है. वहीं क्लर्क और शिक्षक के बीच हुई बातचीत का ऑडियो सोशल पर भी जमकर वायरल हो रहा है। पूरा मामला बिलासपुर जिले के मस्तूरी क्षेत्र का है। दरअसल शासकीय प्राथमिक शाला खपरी के सहायक शिक्षक संतोष कुमार साहू ने मेडिकल बिल भुगतान के लिए आवेदन जमा किया था। इलाज में हुए खर्च सहित सभी दस्तावेज पेश करने और उसका परीक्षण करने के बाद कार्यालय से उनका 1 लाख 87 हजार 459 रुपए स्वीकृत हो गया है। शिक्षक संतोष कुमार साहू का आरोप है कि विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय मस्तूरी में पदस्थ सहायक ग्रेड 02 सीएस नौरके ने 9 जुलाई की रात 8.25 बजे उनके मोबाइल पर कॉल किया। वो रिसीव नहीं कर पाए। रात 8.30 बजे उन्होंने देखा तो कॉल किया। इस दौरान क्लर्क सीएस नौरके ने मेडिकल बिल की रकम उनके खाता में जमा करने के एवज में 10त्न कमीशन मांगा, जिसे देने में उन्होंने असमर्थता जताई। इस कारण भुगतान रोक दिया है। शिक्षक ने इस मामले की शिकायत जिला शिक्षा अधिकारी और कलेक्टर से की थी। शिक्षक का कहना है कि उनके साथ जिन अन्य शिक्षकों के बिल पास हुए थे उन्हें तो राशि का भुगतान मिल गया है, लेकिन उनका भुगतान अब तक नहीं किया गया। मामला मस्तूरी विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय का है। कमीशन मांगे जाने का आडियो भी वायरल हो रहा है।

नेपाल : जेन-जेड प्रदर्शन में 25 मौतें व 600 घायल, गोलीबारी में मारे गए 3 पुलिसकर्मी

नई दिल्ली, 11 सितम्बर (न्यूज चैनल)। नेपाल में पिछले दो दिनों से जेन-जेड समूह के नेतृत्व में हुए हिंसक सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान तीन पुलिसकर्मी सहित कम से कम 25 लोग मारे गए। पुलिस और अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस और अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को संसद भवन के सामने प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा बलों की गोलीबारी में 19 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर युवा थे। नेपाल पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि हिंसक प्रदर्शनों के दौरान मंगलवार को काठमांडू के कोटेश्वर इलाके में भीड़ ने तीन पुलिसकर्मियों को मार डाला।

पुलिस ने बताया कि मंगलवार को कालीमाटी थाने पर पुलिस के साथ झड़प में तीन प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई। गृह मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार प्रदर्शनों के दौरान 633 लोग घायल हुए। इस बीच नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा और उनकी पत्नी एवं विदेश मंत्री आरजू राणा देउबा का एक अस्पताल में उपचार किया जा रहा है।

देउबा के बुधनीलकांठा स्थित आवास पर प्रदर्शनकारियों के हमले के दौरान वे घायल हो गए थे। नेपाल सेना ने बुधवार को प्रदर्शनों की आड़ में संभावित हिंसा को रोकने के लिए देशव्यापी प्रतिबंधात्मक आदेश और उसके बाद कर्फ्यू लगा दिया। यह कदम बड़े पैमाने पर सरकार विरोधी प्रदर्शनों के मद्देनजर प्रधानमंत्री के. पी. शर्मा ओली के इस्तीफे के एक दिन बाद उठाया गया।

नेपाल के बाद फ्रांस में तख्तापलट! अचानक पीएम मोदी के फोन की घंटी खूब बजने लगी

नई दिल्ली, 11 सितम्बर (न्यूज चैनल)। नेपाल के बाद अब फ्रांस में भी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। एक लाख से ज्यादा लोग फ्रांस की सड़कों पर उतर आए हैं और इन्हें काबू करने के लिए सरकार ने 80 हजार पुलिसकर्मियों को उतर दिया है। लेकिन दिलचस्प बात ये है कि नेपाल में तो वामपंथी सरकार का तख्तापलट हो गया। लेकिन फ्रांस में तो वामपंथी इमैनुएल मैक्रो का तख्तापलट करना चाहते हैं। इमैनुएल मैक्रो जानते थे कि फ्रांस में ऐसा कुछ होने जा रहा है इसलिए वो अपनी छवि सुधारने के लिए बार बार पीएम मोदी को फोन मिला रहे थे। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के इस्तीफे की मांग को लेकर 1 लाख से ज्यादा लोग सड़क पर आ गए। फ्रांस के गृह मंत्री ब्रूनो रेतेयो ने प्रदर्शनकारियों पर विद्रोह का माहौल बनाने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। फ्रांस बंद का आह्वान लेफ्ट पार्टियों ने किया है।

कार और बाइक में भिड़ंत, एक युवती और दो युवक घायल

रायपुर, 11 सितम्बर (हाईवे चैनल)। राजधानी में तेज रफ्तार कार और बाइक में भिड़ंत हो गई, इस हादसे में एक युवती और दो युवक घायल हो गए. घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया. पुरा मामला माना थाना क्षेत्र का है.

यह हादसा भाजपा कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर के सामने हुआ. घटना की जानकारी देते हुए इस्क लंबोदर पटेल ने बताया कि कार में तीन लड़की सवार थी, जिसमें एक लड़की घायल हुई है. वहीं बाइक सवार दो युवक भी घायल हुए हैं. सभी का इलाज जारी है.

छत्तीसगढ़ में अब नहीं होगी मनरेगा में गड़बड़ी, पारदर्शिता के लिए क्यूआर कोड के साथ जीआईएस तकनीक का हो रहा उपयोग

रायपुर, 11 सितंबर (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ में महात्मा गांधी नरेगा कार्यों में पारदर्शिता के लिए डिजिटल क्रांति की शुरुआत हो गई है. मनरेगा कार्यों को पारदर्शी और सुलभ बनाने के लिए क्यूआर कोड और जीआईएस तकनीक का उपयोग किया जा रहा है. इससे ग्रामीण एक साधारण स्कैन से मनरेगा के तहत स्वीकृत कार्यों, परियोजनाओं व खर्च पर नजर रख सकते हैं.

पंचायत व ग्रामीण विकास तथा आईटी विभाग की प्रमुख सचिव निहारिका बारिक सिंह ने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार ने सुशासन की ओर एक कदम और बढ़ाते हुए महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए नई तकनीकी पहल शुरू की है. अब हर ग्राम पंचायत के लिए क्यूआर कोड बनाए गए हैं. पंचायत भवन और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर यह क्यूआर कोड लगे हैं.

इसके जरिए ग्रामीण अपने स्मार्टफोन से कोड स्कैन करके पिछले तीन वर्षों में उनके गांव में किए गए मनरेगा कार्यों की पूरी जानकारी और खर्च का विवरण आसानी से देख सकेंगे. ग्रामीण इस क्यूआर कोड को अपने स्मार्टफोन से स्कैन कर तुरंत महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार अधिनियम (मनरेगा) के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण, बजट व खर्च की स्थिति की जानकारी ले सकते हैं. छत्तीसगढ़ के मनरेगा आयुक्त तारण प्रकाश सिन्हा के मुताबिक, पंचायतों में क्यूआर कोड तैयार करने का विचार किसी बोर्डरूम से नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर आया है. प्रमुख सचिव के साथ ग्रामीण क्षेत्रों के दौरे के दौरान, यह स्पष्ट गारंटी हो गया कि क्यूआर कोड गांवों में पहले से ही एक जाना-पहचाना उपकरण था, जिसका व्यापक रूप से डिजिटल भुगतान और छोटे व्यावसायिक लेन-देन के लिए उपयोग किया जाता है. सिन्हा बताते हैं कि ग्रामीणों ने क्यूआर कोड पर भरोसा किया. इस अंतर्दृष्टि और प्रशासन द्वारा सुशासन और पारदर्शिता के लिए निरंतर प्रयासों के संयोजन से एक अभूतपूर्व विचार सामने आया कि मनरेगा डेटा तक पहुंच खोलने के लिए क्यूआर कोड का उपयोग क्यों न किया जाए? इसके बाद इस परियोजना को हरी झंडी दी गई और इसे अब पूरे राज्य में लागू किया जा रहा है.

अब प्रत्येक ग्राम पंचायत के लिए क्यूआर कोड तैयार किए जा रहे हैं. ये कोड पंचायत की दीवारों और गांवों में अन्य प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित किए जाते हैं. कोई भी ग्रामीण, जिसके पास एक साधारण स्मार्टफोन है, कोड को स्कैन करके जानकारी प्राप्त कर सकता है. इनमें पिछले तीन वर्षों में पूरी की गई मनरेगा परियोजनाओं की सूची, स्वीकृत और खर्च की गई धनराशि, चल रहे कार्यों की प्रगति शामिल हैं. यह डेटा, जो पहले केवल जिला कार्यालयों या आधिकारिक वेबसाइटों के माध्यम से तकनीकी भाषा या अंग्रेजी में ही उपलब्ध था, अब ग्रामीण नागरिकों की उंगलियों पर है. छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ने युक्तिधारा पोर्टल के माध्यम से जीएसआई तकनीक से योजना बनाना भी शुरू कर दिया है. इसके तहत सैटेलाइट मैपिंग से श्रम बजट तैयार किए जा रहे हैं. ये बजट अक्टूबर में ग्राम सभाओं में अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे. इसके बाद, इस बजट की जानकारी भी क्यूआर कोड से दी जाएगी, ताकि हर नागरिक आसानी से देख सके कि किन कार्यों को स्वीकृति दी गई है. स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) और ग्राम रोजगार सहायक लोगों को क्यूआर कोड स्कैन करने और जानकारी प्राप्त करने के तरीके के बारे में मार्गदर्शन देने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं. जिन लोगों के पास डिजिटल पहुंच नहीं है, उनके लिए श्रम बजट और स्वच्छता जैसे प्रमुख विवरण उपलब्ध हैं. कर्मचारियों को इस नई प्रणाली का उपयोग करने में मदद करने के लिए प्रशिक्षण सत्र चल रहे हैं. श्रम बजट अंतिम रूप दिए जाने के बाद, उन्हें पंचायत की दीवारों पर अंकित किया जाएगा ताकि प्रत्येक निवासी को पता चल सके कि आने वाले वर्ष के लिए कौन से कार्य स्वीकृत किए गए हैं.